

MASTER OF ARTS (HISTORY)

Term-End Examination

June, 2013

**MHI-06 : EVOLUTION OF SOCIAL STRUCTURES
IN INDIA THROUGH THE AGES**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

*Note : Answer any five questions in about 500 words each.
Attempt at least two questions from each section. All
questions carry equal marks.*

SECTION - A

1. Discuss the archaeological evidence for early food producing (neolithic) village. Explain the social structure of early food-producing (farming and herding) societies. 20
2. What was the significance of *pitr* in the vedic period? How was the relationship with the other kinsmen getting more complicated in the vedic period? 20
3. Discuss the emergence of guilds from the sixth century BC to the fourth century AD. What was the structure and organisation of the guilds? 20

4. State the relationship between the concept of feudalism and urban decay. **20**
5. Write short notes on *any two* of the following in about **250** words each : **10+10**
- (a) Epigraphy.
 - (b) Emergence of Buddhism in Central and Southern India.
 - (c) Cult of Hero Worship.
 - (d) Proliferation of castes in early medieval period.

SECTION - B

6. Analyse the types of services performed by the village servants. What was the position of the village servants in the rural society of the Deccan ? 20
7. Critically examine the nature of the 18th century society. 20
8. Write an essay on the patterns of rural urban mobility with special reference to overseas migration during the colonial period. 20
9. Recount the experiences of untouchables pointing out social discrimination in colonial India. 20
10. Write short notes on *any two* of the following in about 250 words each : 10+10
- (a) British writings on medieval Indian rural society.
 - (b) Slaves and slavery in medieval India.
 - (c) Growth of capitalist class in the colonial period.
 - (d) Moplah uprising.
-

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (इतिहास)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

एम.एच.आई.-06 : भारत में सामाजिक
संरचनाओं का युगों से होता हुआ विकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग
500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम-से-कम दो प्रश्नों के
उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग - क

1. प्रारम्भिक खाद्य उत्पादक (नवपाषाण) गाँवों से संबंधित 20
पुरातात्विक प्रमाणों की चर्चा कीजिए। प्रारम्भिक-खाद्य उत्पादक
समाजों (कृषक एवं चारागाही) की सामाजिक संरचना की व्याख्या
कीजिए।
2. वैदिक ग्रंथों में पित्र (pitr) का क्या महत्व है? वैदिक काल में 20
किस प्रकार सगोत्रीय संबंधों में जटिलता आई?
3. छठी-शताब्दी ई.पू. से चौथी शताब्दी ई. के मध्य श्रेणियों के 20
उदय की चर्चा कीजिए। श्रेणियों की संरचना तथा संगठन क्या
था?

4. सामन्तवाद तथा नगरों के पतन के मध्य संबंध की चर्चा कीजिए। 20
5. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर लगभग 250 शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। 10+10
- (a) पुरालेख (Epigraphy)
 - (b) मध्य तथा दक्षिण भारत में बौद्ध धर्म का उद्भव
 - (c) वीर उपासना (Cult of Hero Worship)
 - (d) प्रारम्भिक मध्यकाल में जातियों का विस्तार

भाग - ख

6. ग्राम्य सेवकों द्वारा-निष्पादित विभिन्न प्रकार की सेवाओं का विश्लेषण कीजिए। दक्खनी ग्रामीण समाज में ग्राम्य सेवकों की स्थिति की चर्चा कीजिए। 20
7. अठारहवीं शताब्दी के समाज की प्रकृति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20
8. औपनिवेशिक काल में विदेशी प्रवासन (migration) के संदर्भ में ग्रामीण-शहरी गतिशीलता पर एक निबंध लिखिए। 20
9. औपनिवेशिक काल के भारत में 'अछूतों' के सामाजिक भेदभाव संबंधी अनुभवों का वर्णन कीजिए। 20
10. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर लगभग 250 शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। 10+10
- (a) मध्यकालीन भारतीय ग्रामीण समाज संबंधी-ब्रिटिश लेखन।
- (b) मध्यकालीन भारत में दास तथा दास प्रथा।
- (c) औपनिवेशिक काल में पूँजीपति वर्ग का विकास।
- (d) मोपला विद्रोह